रात्रि क्लास 30/9/68 ..... की बादशाही का श्रृगांर याद है?

मेले–मलाखड़े ऐसे होते हैं। साधु–संत .....कुछ आमदनी होती है। हम ..... है। बच्चे जो सर्विस पर हैं, यह सुनेंगे समझेंगे क्या–2 होता है। ..... पड़ते हैं कहाँ महिमा कहाँ .... है। क्योंकि तरफ है भक्ति , दूसरी तरफ है ज्ञान। इस समय रावण राज्य का ..... है। बहुत ..... के मेले पर आगे कब इतने मनुष्य नहीं गये। अभी बहुत वृद्धि को ...ती ...ती है। बच्चे तो सभी आये हैं। समझते होंगे यह बरोबर ज्ञान से सद्गति है; परंतु सद्गति करना बेहद के बाप का काम है। सद्(गति) होनी है संगमयुग पर। जब इन्हों का राज्य था तो सद्गति थी। ...खधाम थ ही नहीं। बुद्धि कहती ..... अभी भक्ति बहुत ही विस्तार में है। ज्ञान तो जैसे कि सच्चा है। बच्चों को मेहनत करनी है। मेहनत में है .... का युद्ध। कहते हैं बहुत तूफान आते हैं। और कोई भी सतसंग में ऐसे नहीं बुरे संकल्प–विकल्प नहीं आवेंगे। आया विकार ... और कर लेंगे। रोकने वाला तो कोई है नहीं। करके सन्यासी कब कहते हैं मास–मास . ..... फायदे की तो बात सुनाते ही नहीं। बाप कहते हैं पवित्र बनो। इसमें ही बहुत कमाई है। बच्चे जानते हैं बाप कल्प–2 आते हैं। यह सभी बातें हैं सत्य। ईविल कोई बात ही नहीं। भक्ति तो सभी जानते हैं। जहाँ–तहाँ माथा टेको पैसा रखो। ..... बनारस में एक शिव का मन्दिर है। फिर अभी कितने देवताओं के मन्दिर हैं। जबकि शिवबाबा एक है फिर रचना के इनते चित्र क्यों रखे हैं। गरबड़ है ना। एक ..... में और क्यों घुसे हैं। बाप तो जानते हैं ना। ऐसे नहीं कि जानीजाननहार है। बाप कहते हैं मैं किसके ..... नहीं जानता हूँ। कितने करोड़ों एक्टर्स हैं। हरेक को बैठ जानो यह हो नहीं सकता। नॉलेजफुल का समझते हैं बाबा सभी के दिलों को जानते हैं। बाबा कहते हैं यह जानता हूँ सभी के अन्दर विकारों की ..... है। तब तो पतित बने हो ना। बच्चे यह तो समझते हैं ड्रामा को 5000 वर्ष हुये। दिन पास हुये, मास .... घंटे, मिनिट, सेकेण्ड पास होते चले आ रहे हैं। दुनिया समझती है सतयुग को लाखो वर्ष तो हिसाब ..... बाप समझाते हैं वह अज्ञान नींद में सोये पड़े हैं। बाप आकर जगाते हैं। ज्ञान और अज्ञान का खेल बच्चों की बुद्धि में है आगे थोड़े ही मालूम था। बाप सावधान भी करते हैं निवृत्ति मार्ग वालों को यज्ञ–तप–पुण्य आदि करनी न है। ज्ञान तुमको मिलता है, भक्ति भी तुमको करनी है। उनको न ज्ञान मिलता है न ..... करनी है। वह कहते हैं परमात्मा में लीन हो जावेंगे। उन्हों की भूल ऐसी है जैसे कि भारतवासियों ने भूल ..... हिन्दुधर्म कह दिया है। तुम बच्चे जानते हो आज से 5000 वर्ष पहले देवी देवताओं का राज्य था। पूजते ..... देवताओं को ही है। और सभी धर्म अंत तक चले आये हैं, तुम्हारा बी.... कट हो गया है। धर्म भ्रष्ट हो पड़े हो। तमोप्रधान बन पड़े हो। सर्व की सद्गति दाता एक बाप ही है। बाप कहते हैं इन साधुओं ..... उद्धार करने मुझे आना पड़ता है। वह कहते हैं स्त्री–पुरुष दोनों इकट्ठे रहते निर्विकारी बने यह हो नहीं ..... यह बुद्धि में नहीं आता बाप कहते हैं काम को जीतो तो जगत जीत बनेंगे। यह जगतजीत थे ना। ज़रूर ..... बनाया। बाप भी कहते हैं हर कल्प के संगमयुग आता हूँ। यह मुख्य मिस्टेक है। सबसे मुख्य मिस्टेक है ..... जाना। एक भूल के साथ और भी भूलें हैं। तुम समझते हो स्वर्ग पास्ट हो गया है। यह सभी समझते हैं ..... कितना समय हुआ पास हुये यह नहीं समझते। प्रदर्शनी आदि में भी आते तो बहुत ही हैं; परंतु कोई ..... हैं कोई नहीं समझते हैं। जो समझते हैं तो समझा जावेगा यह हमारे कुल का है। कोई गुस्सा करते हैं तो सदैव मुस्कुराते रहना चाहिए। फिर उन पर फूलों की वरसा करनी चाि.... उनको हँसी आ जाती है। गुस्से के साथ गुस्सा करने से कलह हो जाता है। तो कहते हैं पानी के मट..... जाते हैं। जिस घर में कलह होता है तो ऐसे कहते हैं। तुम बच्चे तो सब ही मुस्कुराते रहो। यह अभी ..... यह मुस्कुराहट चलनी है। जितना हो सके मुख हर्षित हो। हम तो बेहद के बाप के बच्चे हैं। अभी

समझते हो यह बातें बाप के सिवाय और कोई समझा न सके। पक्का पक्का निश्चय होना चाहिए; परंतु भल तुम इन सभी का फोटो रख दो। फिर 6 मास बाद देखेंगे कोइ न कोई को माया ने मार डाला होगा। बहत अच्छी–2 फर्स्ट क्लास कुमारियाँ थी उन्हों को भी माया ने हप कर लिया। गज को ग्राह ने खाया गायन है ना। बाबा जान.... है किसको ट्रांसफर करने में अर्थात् शूद्र से ब्राह्मण बनाने में बड़ी मेहनत लगती है। भ्रमरी का मिसाल है ना। तुम दोनों को भूं भूं कर आप समान बना देते हो। तुम ब्राह्मण भूं–2 करते हो। अभी तुम हो सच्चे–2 वैष्णव। वह है झूठे। तुम डबल अहिंसक हो वह सिंगल। बप समझाते हैं काम महाशत्रु है। एक–दो पर काम कटारी चला.... हैं। वहाँ हिंसा दुःख आदि की बात ही नहीं। बच्चा जन्म लेता है तो कोई भी दुःख नहीं। बाप कितना प्यार से बैठ बच्चों को समझाते हैं। मीठे–2 बच्चों बाप को भूल न जाओ। वरसे को भूल न जाओ। कोई भी कारण से रूठकर पढ़ाई को न छोड़ देना। यह तो समझते हो ना बाप पढ़ाते हैं। बाप को याद करना भूलो मत। सतोप्रधान बनने का और कोई तरीका है नहीं। अच्छा मीठे रूहानी बच्चों को बाप दादा का याद प्यार गुडनाइट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।

रात्रिक्लासः– 1/10/68 बाप को जादूगर भी कहते हैं। देखते हो ..... हेविन स्थापन करते हो। सबसे बड़ा जादूगर यह है। तुम बच्चे भी जादूगर हो ना। दूसरे जन्म में विश्व के मालिक बनते हो। यह जादूगरी नहीं। पढ़ाई है बिल्कुल सहज। वह तो ढेर के ढेर जादूगर देखें हैं। चीनी लोग आते थे बहुत जादू दिखाते थे। जहाँ–2 सर्विस करते हैं प्रजा तो ढेर बनती है। यह भी जादूगरी है बाप का परिचय देना। थोड़ा भी समझ गया तो इस ज्ञान का विनाश नहीं होता है। बच्चे जानते हैं इन जैसी जादूगरी तो कोई कर नहीं सकते हैं। इनसे बहुत धन मिलता है। आमदनी होती है। ..... सुख–आनन्द है। अपरमअपार है। बच्चों को मालूम हो गया हमने रावण राज्य में बहुत दुःख उठाया है। जन्म–जन्मांतर पाप बहुत किये हैं। बच्चों को फीलिंग आती है ऐसे–ऐसे पाप किये हैं। सारी दुनियाँ पुकारती है आकर पावन बनाओ। बाप को याद करने से सभी पाप भस्म हो जायेंगे। आत्मा भी सोना बन जावेगी। शरीर भी बनता तो ऐसे ही है;परंतु इसको कहा जाता है काया कंचन। प्रकृति भी गोल्डेन एज बन जाती है। उनको कहा जाता है सोने का लंका। भारत को ही सोने की चिड़िया कहा जाता है। ..... सागर को ज्ञान से खाली कर देते हैं। शास्त्रों में फिर चिड़ियाओं की बात लिख दी है। वह तो जन्म–जन्मांतर सुनते आये हो। अभी बाप कहते हैं भक्ति मार्ग में तुम सुनते नीचे ही गिरते आये हो। अभी यह बातें ना सुनो। बाप कहते हैं यहाँ बैठे हो अगर याद है तो जैसे लाइट हाउस हो। एक आँख में सुखधाम, दूसरे में है शांतिधाम। दुःखधाम को याद न करो हरेक के नईया को पार ले जाते हैं। हरेक को पैगाम देना है। यह भी बहुत सहज है। बच्चे जानते हैं समय बहुत ही थोड़ा है। अभी तो हम अपना राज्य स्थापन करते हैं। फिर यह सभी होंगे ही नहीं। बाबा आकर के ऐसा योग सिखलाते हैं जो हम पावन बन पावन दुनियाँ में जाते हैं। पतित दुनिया का विनाश लिये यह तैयारियाँ हैं। तो खुशी होनी चाहिए। जब आगे चल विनाश नज़दीक आवेगा तो बहुत को सा॰ होगा। अनेक प्रकार के सा॰ होंगे। बच्चे विजीटर्स भी है तो वारिस भी हैं। विजीटर्स हैं इसलिए खातरी करनी होती है। यहाँ के बच्चे सिर्फ वारिस हैं। तो उन्हों को विजीटरों की खातरी करनी है। दीदी को जांच करनी है सभी की खातरी होती है यथा योग्य कब–कब ख्याल होता है कोई की खातरी जास्ती कोई की कम होती है वह ख्याल न होना चाहिए। जिन्होंने ..... है तो वह आते हैं तो प्रबंध देना पड़ता है। खातरी करनी पड़ती है। इसमें संशय बुद्धि न होना चाहिए। कोई संशय बुद्धि होकर पढ़ाई छोड़ देते हैं। यह कब ख्याल नहीं करना। डायरैक्शन दिये जाते हैं और सभी ..... छोड़ अपने कल्याण का सोचो। नहीं तो ..... हसद हो जाता है। कब–2 बच्चे हसद में आते हैं तो बाप ...धान करते हैं। पावन बन पावन दुनिया में .... चलना .... तुम इसमें लग जाओ। अनेक बच्चे ऐसी–2 बातों में (अधूरी मुरली)